

चमकम्

Чамакам

Анувака 1

अ॒ग्ना॒वि॒ष्णू॒ स॒जोष॑से॒माव॑र्धन्तु वां॒ गिरः॑ । द्यु॒म्रैर्वा॑जे॒भिरा॑गतम् ॥ १ ॥



аг॒ना॒ви॒ष्णू॒ सद॑जेषा॒сэ॒मा॒व॑ардханту वाम॒ गि॒रा॒ха ।



дью॒мнаир॑वा॒джэ॒бхи॑ра॒га॒там ॥ 1 ॥

О Агни и Вишну! Да будете вы оба благорасположены ко мне. Да увеличат мои хвалебные слова ваше благорасположение. Мы молим вас о богатстве и пище.

वा॒जश्च॑ मे॒ प्र॒सव॑श्च॒ मे॒ प्र॒यति॑श्च॒ मे॒ प्र॒सि॒तिश्च॑ मे॒ धी॒तिश्च॑ मे॒ क्र॒तुश्च॑ मे॒ स्व॒रश्च॑ मे॒
श्लो॒कश्च॑ मे॒ श्रा॒वश्च॑ मे॒ श्रु॒तिश्च॑ मे॒ ज्यो॒तिश्च॑ मे॒ सु॒वश्च॑ मे॒ प्रा॒णश्च॑ मे॒ऽपा॒नश्च॑ मे॒ व्या॒नश्च॑
मे॒ऽसु॑श्च॒ मे॒ ॥ २ ॥



ва॒дж्या॑श्चा॒ मे॒ пра॒са॒वा॒श्चा॑ ме॒ пра॒я॒ти॒श्चा॒ मे॒ пра॒си॒ти॒श्चा॑ ме॒ дх्य॑ти॒श्चा॑ मे॒
кра॒तु॑श्चा॒ ме॒ сва॒ра॑श्चा॒ ме॒ щло॒ка॑श्चा॒ ме॒ щра॒ва॑श्चा॒ ме॒ щру॒ти॑श्चा॒ ме॒
джё॒ти॑श्चा॒ ме॒ су॒ва॑श्चा॒ ме॒ пра॒на॑श्चा॒ ме॒ па॒на॑श्चा॒ ме॒ व्या॒на॑श्चा॒ ме॒ су॑श्चा॒
ме॒ ॥ 2 ॥

Я молю Тебя: одари меня пищей и позволь мне кормить других и себя. Да будет чистой пища, которую я ем; да будет у меня хороший аппетит; да буду я вкушать пищу с удовольствием; да будет усвоена пища, которую я ем. Да буду я совершать жертвоприношения, которые обеспечат меня пищей; да буду я распевать ведические мантры с правильной интонацией неотразимым и пленительным голосом. Дай мне способность различения, чтобы я знал, что слушать, а что не слушать. Да озарится мой ум ясностью, чтобы я обрел верное понимание вещей.

वाजश्च मे प्रसवश्च मे प्रयतिश्च मे प्रसितिश्च मे



व्दज्याच्चा मे प्रасаवाच्चा मे प्रायतिच्चा मे प्रसितिच्चा मे

धीतिश्च मे क्रतुश्च मे स्वरश्च मे श्लोकश्च मे



दख्यतिच्चा मे कर्तुच्चा मे सवराच्चा मे श्लोकाच्चा मे

श्रावश्च मे श्रुतिश्च मे ज्योतिश्च मे सुवश्च मे



श्रावाच्चा मे श्रुतिच्चा मे ज्योतिच्चा मे सुवाच्चा मे

प्राणश्च मेऽपानश्च मे व्यानश्च मेऽसुश्च मे



प्राणाच्चा मेऽपानाच्चा मे व्यानाच्चा मे अस्वच्चा मे

चित्तं च मे आधीतं च मे वाक्च मे मनश्च मे चक्षुश्च मे श्रोत्रं च मे दक्षश्च मे बलं च मे ओजश्च
मे सहश्च मे अयुश्च मे जरा च मे आत्मा च मे तनूश्च मे शर्म च मे वर्म च मेऽङ्गानि
च मेऽस्थानि च मे परुग्णि च मे शरीराणि च मे ॥ ३ ॥



चित्तं च मे आधीतं च मे वाक्च मे मनश्च मे चक्षुश्च मे श्रोत्रं च मे दक्षश्च मे बलं च मे ओजश्च
मे सहश्च मे अयुश्च मे जरा च मे आत्मा च मे तनूश्च मे शर्म च मे वर्म च मेऽङ्गानि
च मेऽस्थानि च मे परुग्णि च मे शरीराणि च मे ॥ ३ ॥

Да достигну я небес богов. Да будут во мне правильно функционировать жизненные силы. Да заслужит мой ум истинное знание с помощью непрерывного восприятия. Одари меня красноречием и здоровым умом. Да будут мои органы чувств совершенны, глаза зорки, а слух тонок; да будут мои органы действий сильными и энергичными. Одари меня мощью, чтобы я мог сокрушить своих врагов и прожить долгую интенсивную жизнь, завершившуюся уважаемой и полной достоинства старостью. Да будет моё тело красивым и хорошо сложенным; да будут мои кости крепкими, а суставы – подвижными. Одари моё тело счастьем и защитой. Да буду я рождён в высоких и благородных телах в будущем.

चि॒त्तं च॒ म आ॒धी॒तं च॒ मे वा॒क्च॒ मे म॒नश्च॒ मे च॒क्षुश्च॒ मे श्रो॒त्रं च॒ मे



чи॒т॒там ча॑ ма॒ ँद॒खी॒ताм ча॑ मे॒ वāक॑ ча॑ मे॒ ма॒ना॑श्चा॒ मे॒
चा॒क्षु॑श्चा॒ मे॒ श्रो॒त्रा॑म॒ ча॑ मे॒

द॒क्षश्च॒ मे ब॒लं च॒ म ओ॒जश्च॒ मे स॒हश्च॒ म अ॒युश्च॒ मे ज॒रा च॒ म



да॒क्षा॑श्चा॒ मे॒ ба॒ла॑м॒ ча॑ ма॒ од॒жя॑श्चा॒ मे॒ са॒ха॑श्चा॒ ма॒
а̎ю॑श्चा॒ ме॒ джя॒ра॑ ча॑ ма॒

आ॒त्मा च॒ मे त॒नूश्च॒ मे श॒र्म च॒ मे व॒र्म च॒ मेऽङ्गा॑नि॒ च मेऽस्था॑नि॒
च॒ मे प॒रु॒ग्ग॒षि च॒ मे श॒री॒रा॒णि च॒ मे



ā॒tmā॑ चा॑ मे॒ ता॒नू॑श्चा॑ मे॒ श॒र॒मा॑चा॒ मे॒ वा॒र॒मा॑ चा॒ मे॒ न॒ग॒ा॑नि॒ चा॒
मे॒ स्त॒ख॒ा॑नि॒ चा॒ मे॒ पा॒रु॒ग्म॑शि॒ चा॒ मे॒ श॒रि॑र॒ा॒नि॒ चा॒ मे॒